clickastro

SERVED OVER 107 MILLION SMILES
SINCE 1984

2021-YEARLY HOROSCOPE

PREMIUM REPORT

नमस्कार,

जैसे की हम एक नए दशक और एक नए साल में पदार्पण कर रहे हैं, आगामी समय हमारे लिए कैसा होगा यह जानने का यह उचित समय है। क्लिकएस्ट्रो वार्षिक राशिफल वर्ष २०२१ में आपके परिवार, स्वास्थ्य, कामकाज, व्यवसाय, धन और जीवन के अन्य पहलुओं से सम्बंधित आपके सवालों के जवाब देने के लिए प्रस्तुत है।

यह व्यक्तिगत वार्षिक राशिफल नए साल २०२१ को अधिक सुखद और फलदायी बनाने में आपके लिए आवश्यक मार्गदर्शक सिद्ध होगा। यह वार्षिक भविष्यवाणी और विस्तृत मासिक भविष्यवाणी प्रदान करता है हो आगामी वर्ष में आपका मार्गदर्शन करेगा।

ताजिक पद्धति पर आधारित यह वर्षफल आपके जन्म के विवरण पर आधारित संक्षिप्त वार्षिक भविष्यवाणी है। मासिक फलकथन जन्म के समय या आपकी जन्म कुंडली में चंद्र की स्थिति के संदर्भ में सूर्य के संक्रमण के प्रभावों को दर्शाता है। इसके अतिरिक्त, अष्टकवर्ग पद्धति द्वारा हमें मासिक रूप से आपके साथ होने वाली घटनाओं की अधिक विस्तृत और व्यक्तिगत गणना करने में मदद मिलती हैं।

हम आशा करते हैं कि यह रिपोर्ट आपके लिए आगामी वर्ष में सार्थक और सुखद वर्षफल प्राप्ति में सहायक होगी!

नाम	Rahul Kumar
लिंग	पुरुष
जन्म तिथि	1 जानुवरी, 1989 रविवार
जन्म समय (Hr.Min.Sec)	12:05:00 AM Standard Time
समय मेखल (Hrs.Mins)	05:30 ग्रीनवीच रेखा के पूर्व
समय पध्धति	Standard Time
जन्म स्थल	New Delhi
रेखांश (Deg.Mins)	77.12 पूरब
अक्षांश (Deg.Mins)	28.36 उत्तर दिशा
अयनांश	चित्रपक्ष = 23 डिग्रि. 42 मिनिट. 19 सेकेन्ड.
दशा पद्धति	विमशोत्तरी पद्धति, साल = 365.25 दिन
जन्म नक्षत्र	हस्त
नक्षत्र पद	4
नक्षत्र का देव	चन्द्र
जन्म राशी	कन्या
राशी का देव	बुध
लग्न	कन्या
लग्न का देव	बुध
तिथि	नवमि, कृष्णपक्ष
करण	ग्रघभ
नित्ययोग	अतीगन्धा
सूर्योदय	07:14 AM Standard Time
सूर्योस्त	05:35 PM Standard Time
ज्योतिष शास्त्र के अनुसार जन्म तिथि	शनिवार
प्रादेशिक समय	Standard Time - 21 Min.

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है:चित्रपक्ष = 23डिग्रि.42 मिनिट.18 सेकेन्ड.

गृह	रेखांश डि : मि :से	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र	पद
लग्न	161:53:33	कन्या	11:53:33	हस्त	1
चन्द्र	172:47:8	कन्या	22:47:8	हस्त	4
रवि	256:36:51	धनु	16:36:51	पूर्वषाढा	1
बुध	273:18:42	मकर	3:18:42	उत्तरषाढा	2
शुक्र	233:48:24	वृशचिक	23:48:24	ज्येष्ठ	3
मंगल	356:22:59	मीन	26:22:59	रेवत्ति	3
गुरु	33:2:11	वृषभ	3:2:11 रितु	कृत्तिका	2
शनि	251:51:40	धनु	11:51:40	मूल	4
राहु	314:5:41	कुंम्भ	14:5:41	शताभिषा	3
केतु	134:5:41	सिंह	14:5:41	पूर्व फालगुनी	1
गुलिक	160:10:54	कन्या	10:10:54	हस्त	1

राशी

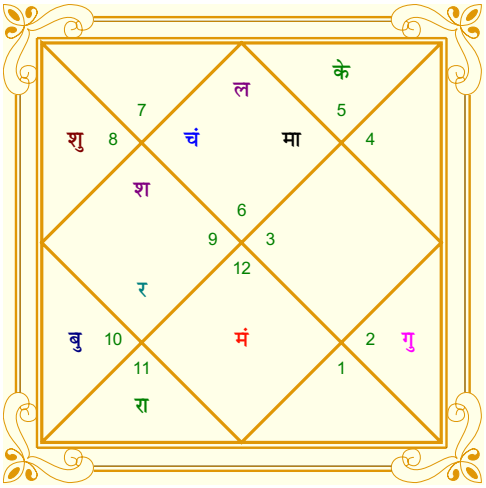

जन्म के समय दशा की समतुलना = चन्द्र 0 साल, 4 महीने, 28 दिन

चं	=	चन्द्र	र	=	रवि	बु	=	बुध	ल	=	लग्न
शु	=	शुक्र	मं	=	मंगल	गु	=	गुरु	मा	=	गुलिक
श	=	शनि	रा	=	राहु	के	=	केतु			

वर्षफल

पुरे सालभर में सूरज ज्योतिषचक्रका 360 डिग्री का एक गोल संक्रमण करता है। आपके जीवन कें विशीष्ट साल का परिणाम या प्रतिफलका विश्लेषण करनें हेतू, जन्मकुंडली उस वक्त निकाली है जहा संक्रमण करता हुआ सूरज वहा है जहा वो आपके जन्म समय था। इस जन्मकुंडलीका विशीष्ट साल कें लिए आपके जीवन कें प्रसंग और भविष्यवाणी बताने हेतू उपयोग किया जाता है। वार्षिक या प्रगतीशील जन्मकुंडली यह पश्चिमी ज्योतीषशास्त्र कें सिडेरियल सोलर रिटर्न चार्ट जैसी ही है।

वर्षफल कों तजाका या ज्योतीषशास्त्र की ताजिक प्रणाली कें रूप में जाना जाता है। बहोत लेखको में सें, निलकंठ और केशव यह जो बहोत बडे लेखक है जिन्होनें ताजिक प्रणाली पर अच्छा लिखा है।

यहा दिया गया वार्षिक जन्मकुंडली विश्लेषण और भविष्यवाणी ताजिक प्रणाली कें तत्वोंपर आधारित है। वर्षफल को नये साल में प्रवेश ऐसे कहा जाता है और उसका बहोत बडा महत्व है। यह पुरातन किताबों या ग्रंथो में सूझायें विस्तृत पद्धती सें यह निकाला गया है। आपकें जन्मके सप्ताह का दिन, वर्षफल कें रूप में जाना जाता है। वार्षिक कुंडली कें लग्न के अलावा, जिसकों वर्ष लग्न कहा जाता है और एक महत्वपुर्ण परिणाम होता है जिसें मुंथा, मुंथा स्वामी और वर्ष स्वामी कहा जाता है।

परासरा प्रणाली और वर्षफल अंतर्गत जन्मकुंडली का निर्णय लेने हेतू, नियमों में बहोत बडा अंतर या असमानता है। दो प्रणाली में पैलू और मेल इनके नियमों का संच अलग-अलग होता है। परासर प्रणाली में शब्दबला के अलावा पंचवर्गी य बला सें ग्रहो का सामर्थ्य निर्धारित होता है।

पूर्ववर्ती विश्लेषण में, विविध घटकों कें परिणाम कभी कभी प्रतिकूल रहते है और कभी कभी अनुकूल होते है। कुछ अशुभ परिणाम शुभ परिणामों सें नष्ट होते है, बहोत समय इसका पुरे सालभर में आप या कुछ समय में अनुभव लें गे। पुरे सालभरका कुल निर्णय हर एक वार्षिक भविष्यवाणी कें अंत में दिया जाता है।

कृपया ध्यान रखें , वर्षफल अवधि में वर्षप्रवेश कें दिन सें संपुर्ण साल समाविष्ट किया जाता है, जो लगभग एक जन्मदिन सें दुसरे जन्मदिन तक रहता है।

यहा दियी गयी भविष्यवाणी भाग्य का दर्शक है और आप आपके परिश्रम, इच्छा-शक्ति और भगवान का आशिर्वाद इससें कठिन समय पर निश्चीत रूप से विजय प्राप्त कर सकते है।

Year : : 33

वर्षप्रवेश

दिनांक : 1-January-2021

समय : 04.58.11 AM

वर्षफल की दिनांक चालू होने से एक साल तक वार्षिक अनुमान लागू है। ग्रहोंका देशान्तर रेखा और वर्षफलकी समय के लिए वार्षिक कुंडली निचे दि गयी है।

गृहों का निरायन रेखांश

गृहों के निरायन रेखांश पर भारत के ज्यातिष शास्त्र की नीव डाली गई है। यह शयन रेखांश के मूल्य से (गुणांक से) अयनांश मूल्य को कम करने से प्राप्त होता है।

अयनांश की गणना अलग - अलग पद्धती से की जाती है। उनके प्रकार और आधार नीचे बताये गये है:चित्रपक्ष = 24डिग्रि.8 मिनिट.44 सेकेन्ड.

गृह	रेखांश डि : मि :से	राशी	राशी के रेखांश प्रकार डि : मि :से	नक्षत्र	पद
लग्न	225:1:28	वृशचिक	15:1:28	अनुराधा	4
चन्द्र	98:18:5	कर्क	8:18:5	पुष्य	2
रवि	256:36:41	धनु	16:36:41	पूर्वषाढा	1
बुध	263:32:0	धनु	23:32:0	पूर्वषाढा	4
शुक्र	236:14:16	वृशचिक	26:14:16	ज्येष्ठ	3
मंगल	3:12:8	मेष	3:12:8	अशविनि	1
गुरु	278:37:56	मकर	8:37:56	उत्तरषाढा	4
शनि	277:28:35	मकर	7:28:35	उत्तरषाढा	4
राहु	54:42:49	वृषभ	24:42:49	मृगशिरा	1
केतु	234:42:49	वृशचिक	24:42:49	ज्येष्ठ	3
गुलिक	207:23:25	तुला	27:23:25	विशखा	3

वार्षिक कुंडली

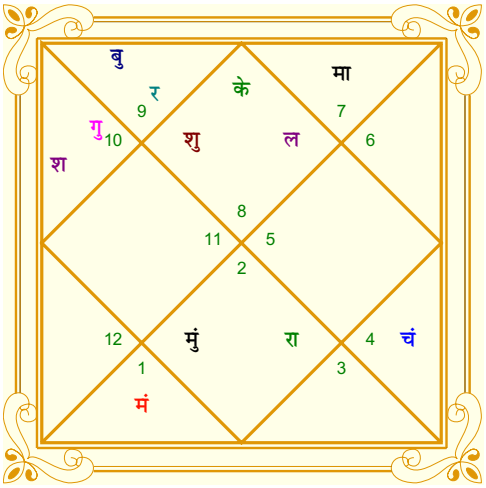

मुंथा : वृषभ

चं	= चन्द्र	र	= रवि	बु	= बुध	ल	= लग्न
शु	= शुक्र	मं	= मंगल	गु	= गुरु	मा	= गुलिक
श	= शनि	रा	= राहु	के	= केतु	मुं	= मुंथा

हर्षबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
प्रथम तीव्रता	0	0	0	0	5	0	0
दुसरा तीव्रता	5	0	0	0	5	0	5
तीसरा तीव्रता	5	0	5	5	5	0	5
चौथी तीव्रता	5	0	5	5	0	0	5
सभी मिलाकार	15	0	10	10	15	0	15
शक्ती	पुरा	कुछ नही	मध्यम	मध्यम	पुरा	कुछ नही	पुरा

पंच-वर्गी यबला

	चं	र	बु	शु	मं	गु	श
क्षेत्र	30.0	15.0	15.0	15.0	30.0	7.5	30.0
उच्च	12.744	7.401	9.052	6.582	12.755	0.404	11.391
हड्डा	11.25	7.5	11.25	11.25	3.75	15.0	3.75
द्रिख्खन	7.5	5.0	5.0	10.0	10.0	10.0	2.5
नवांश	2.5	5.0	3.75	3.75	5.0	5.0	1.25
सभी मिलाकार	63.994	39.901	44.052	46.582	61.505	37.904	48.891
विमसोपका	15.999	9.975	11.013	11.646	15.376	9.476	12.223
शक्ती	जादा	मध्यम	पुरा	पुरा	जादा	मध्यम	पुरा

वर्षेनरा उमेदवार

अधिकार	गृह	विमसोपका तीव्रता	पैलू लग्नपर	पात्र या नही
मुंथा स्वामी	शुक्र	11.646	प्रतिकूल	हां
जन्म लग्न स्वामी	बुध	11.013	पैलू नही	नही
वर्ष लग्न स्वामी	मंगल	15.376	पैलू नही	नही
त्री-राशी स्वामी	शुक्र	11.646	प्रतिकूल	हां
दिन-रात्री स्वामी	चन्द्र	15.999	मैत्रीपूर्ण	हां

पात्र ग्रहों के बिच, चन्द्र इसे उची तीव्रता है

चन्द्र को वर्षेनरा के रूप में चुना गया है (वर्ष स्वामी)

मुंथा के परिणाम

मुंथा यह वार्षिक जन्मकुंडली का संवेनक्षम हिस्सा है। मुंथा यह जन्म लग्नसें प्रती साल एक राशी सें परिवर्तीत होता है। वार्षिक कुंडली में मुंथा स्थानके साल दरम्यान परिणामों पर महत्वपूर्ण परिणाम होते है।

सातवें घर में मुंथा की स्थिति आपके प्रेम और विवाहित जीवन में भावनात्मक व्यवधानों को इंगित करती है। आपके साथी अथवा छोटों का स्वास्थ्य कार्य के आपके नियमित प्रवाह को व्यथित कर सकता है। इस चरण में खर्चे आपके नियंत्रण से परे जा सकते हैं। कार्य और घर में कठिन जीवन की आशा की जाती है। क्रोध करने से बचिए। उकसानेवाली परिस्थितियों का शांतिपूर्वक सामना कीजिए।

मुंथा स्वामी

घर स्वामी जहाँ मुंथा रहता है उसे मुंथेश घर कहते है। मुंथेश का प्रभाव मुंथा की तुलना में द्वितीयक रहता है।

इस उदाहरण में, मुंथा अशुभ स्थान पे है फिर भी, मुंथा स्वामी अच्छे स्थान पर है। इससे मुंथा के बुरे परिणाम कम होते है। और, इस साल दौरान, कुछ तरक्की भी हो सकती है।

मुंथा स्वामी पहले स्थान में हैं। यह दर्शाता हैं कि, आप इस वर्ष में अच्छे स्वास्थ्य का आनंद उठाऐंगी। नियमित रुप से चलने फिरने और व्यायाम करने से आपका शरीर निरोगी बना रहेगा । यह कार्यकाल सुख और समृद्धी में से एक है। किसी भी परियोजना में आप अच्छा प्रदर्शन करेंगी या आप अपने प्रयासों को गंभीरता से लेंगी। आपको कुछ हद तक धन संपत्ती का लाभ हो सकता है और इस वर्ष में कुछ समय में आपके जीवन में आप आनंद का अनुभव करेंगी।

साल का स्वामी

वर्षेनरा, यह साल का स्वामी उपर दिखायें विविध घटकों वर आधारित है। साल स्वामी इस साल दरम्यान होने वाले प्रसंगोंपर महत्वपूर्ण प्रभाव डालता है। ग्रह का सामर्थ्य महत्वपुर्ण समझा जाता है।

चंद्रमा साल का स्वामी है और वह बलवान है और वह बलवान है। इस साल दरम्यान, आप अपेक्षा से जादा पैसो का आनन्द लेंगे। आपकी पत्नी और परिवार आपको बहोत बडा आनन्द दे सकते है। आप परिवार और मित्रो में प्रसिद्ध पुरूष रहेंगे। काम या क्लब या सहकार्य में आपको अच्छा स्थान प्राप्त हो सकता है।

जन्म लग्न

वर्ष लग्न के संबंध में जन्म लग्न के स्थान का खास महत्व है।

जन्म लग्न वार्षिक ग्यारहवां स्थान है। आनेवाले कुछ महिनो में आप पैसो का आनन्द लें गे। आप सट्टेबाजी, लॉटरी और शेयर मार्केट में प्राप्ती कर सकते है। आप समाज में प्रख्यात पुरूष रहेंगे।

स्थानो में ग्रह

वार्षिक कुंडलीके अलग-अलग स्थानोमें ग्रहो के स्थान के कारन होनेवाले परिणाम निचे दिये है। यह प्रभाव पहले विश्लेषन किये मूल्यांकनों के आधारपर अच्छे और बुरे प्रभाव बताते है।

चंद्रमा नौवे स्थान में है। इससे भाग्योदय, आर्थिक प्राप्ती, सेवाभावी व्यवहार, जमीन की प्राप्ती और बच्चो का आनन्द मिलेगा।

सुर्य दुसरे स्थान में है। इससे संपत्ति का नुकसान, परिवार सदस्यो सें विवाद, गला और आखों में अडचनें हो सकती है। परिवार में मृत्यु हो सकता है।

बुध दुसरे स्थान में है। इससे आर्थिक प्राप्ती, प्रतिष्ठा, सफलता, परिवार सदस्यो से आनन्द और संतुष्टि हो सकती है।

शुक्र पहिले स्थान में है। इससे प्रतिष्ठा और आपके स्थान (स्टेटस) में सुधारना, शत्रुओंकी बरबादी, उच्चवर्ग से सहायता दिखाई देती है।

मंगल छठे स्थान में है। इससे शत्रुओं की असफलता, खुद की सफलता, परिवार में आनन्दद और मित्रो सें प्राप्ती होगी।

गुरू तीसरे स्थान में है। इससे प्रसिद्धी का प्रसार अधिकारीयों सें प्रतिष्ठा प्राप्ती और संपत्ति में बढती मिल सकती है।

शनी तीसरे स्थान में है। इससे शत्रुओ सें विध्वंस, आर्थिक प्राप्ती, जमिन प्राप्ती, परिचित और संबंधी और नजदिकी मित्रों से दुश्मनी की संभाव्यता है।

राहु सातवें स्थान में है। इससे सांस की समस्या, बवासिर, विषबाधा होने की संभावना है। सांप सें दुर रहे।

केतु पहिले स्थान में है। इससे निराशा, गंभीर स्वास्थ्य की समस्या, आनन्द कम होना, बेईमान मित्र और सभी व्यक्ति सें विवाद की संभावना है।

ग्रहोके स्थान पर परिणामों का सारांश

गृह	परिणाम
चन्द्र	अनुकूल
रवि	प्रतिकूल
बुध	अनुकूल
शुक्र	अनुकूल
मंगल	अनुकूल
गुरु	अनुकूल
शनि	अनुकूल
राहु	प्रतिकूल
केतु	प्रतिकूल

ग्रहो का स्थान में कुल परिणामः अनुकूल

विश्लेषन किये घटको का एकत्रित परिणाम

घटक	परिणाम
मुंथा	प्रतिकूल
मुंथा स्वामी	अनुकूल
वर्षे नरा	अनुकूल
जन्मलग्न	अनुकूल
स्थान में ग्रह	अनुकूल

वर्ष के लिए एकत्रित ज्योतीषशास्त्रीय रेटींग - 80 %

मासिक फलादेश - सूर्य संक्रमण और अष्टकवर्ग द्वारा

निम्नलिखित मासिक राशिफल आपके जन्म के समय आपकी जन्मकुंडली में चंद्र की स्थिति और सूर्य की वर्तमान स्थिति के संबंध में विचार करके की जाती हैं। सूर्य एक राशि से दूसरी में संचार करने के लिए लगभग एक महीने का समय लेता है। साधारणतया सूर्य के संक्रमण के प्रभाव को सामान्य ही माना जाता है, लेकिन हमने यहां जिस राशि से सूर्य भ्रमणशील हैं, उस राशि के सर्वाष्टक वर्ग के बिंदुओं की गणना करके फलादेश को आपके लिए और व्यक्तिगत रूप से प्रस्तुत किया है। अष्टकवर्ग पद्धति में आपकी जन्म कुंडली में स्तिथ ग्रहों की अंको के आधार पर गणना की जाती हैं जिसका संक्रमण सम्बंधित भविष्यवाणि में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान है।

सर्व अष्टकवर्ग कुंडली

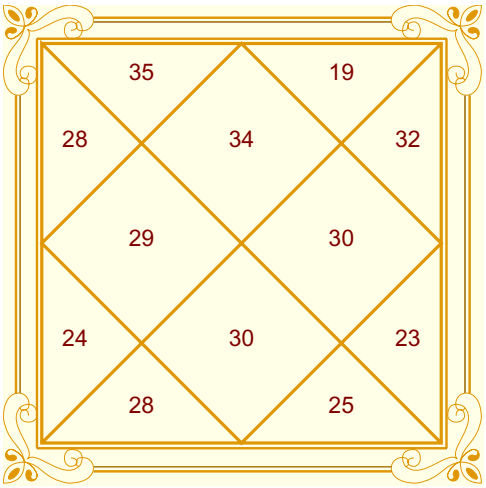

14-1-2021 >>>> 12-2-2021

गोचर राशि : मकर

सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 24

पांचवे स्थान या पंचम भाव से सूर्य का भ्रमण उत्तेजना, कुछ अशांति और अकारण भय का परिचायक होता है। हो सकता है आप ऐसे विषयों में लिप्त हो जो सुखद ना हो, या फिर आप आवश्यक चीजों को अनदेखा कर रहें होंगे। विपरीत लिंगीय व्यक्ति का आप इस समय ध्यान आकर्षित करेंगे। यौन सुख की चाह आपको कुछ अल्पकालीन संबंधों की और ले जा सकती है जो आप प्रयोगात्मक तौर पर करने का विचार कर रहे होंगे। यदि आप इन विषयों में ज्यादा उलझ गए तो कुछ व्यावसायिक विषय भी इससे प्रभावित होंगे। आपके महत्वपूर्ण कामों, बैठकों समय सीमा में विलंब हो सकता है जो आपके वरिष्ठों की रुष्टता का कारण बन सकता है और अंततः आपकी आय पर भी इसका विपरीत असर पड़ सकता है। भौतिक सुखों की व्यक्ति को हमेशा कीमत चुकानी पड़ती है। धन का व्यय होगा। आपके स्वेच्छा से चुने हुए मार्ग को आपके स्वजन भी पसंद नहीं करेंगे और आपकी वित्तीय या अन्य कोई भी सहायता करने से परहेज करेंगे। अपनी दिशा बदलने के लिए योग्य और नजदीकी मित्रों की सहायता लें वर्ना आर्थिक विपत्ति झेलनी पड़ सकती हैं। यदि आप बच्चों के साथ हो तो उनके साथ अच्छा समय बिताना बेहद जरुरी है। आप स्नेह और प्यार देकर, साथ ही उनकी बातों को सुनकर उनकी उद्दंडता को प्यार में बदल सकते हैं। बच्चों की और अपनी सेहत का ध्यान रखें, उपेक्षा न करें।

12-2-2021 >>>> 14-3-2021

गोचर राशि : कुंभ

सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 28

सूर्य का आपकी चन्द्र राशि के छटवें भाव से भ्रमण आपके लिए निश्चित ही चुनौतीपूर्ण होगा जो आपको शुरुआत में थोडा विचलित कर सकता है। समय के साथ आप इन कठिनाइयों से उबार जाएंगे। षष्ठ भाव की चुनौतियां किसी को भी परेशान कर सकती हैं, फिर भी सौर संचार आपको मानसिक और भावनात्मक रूप से इन चुनौतियों से लड़ने की शक्ति देता है। इस संचार के पूर्वार्ध में आप स्थिरता के लिए काफी संघर्ष करेंगे पर परिस्थितियां समय के साथ ही बदलेंगी। आपका स्वास्थ्य इस गोचर में चिंता का विषय होगा। शुरुआती दिनों में आर्थिक समस्याएं आ सकती हैं, पर आप इन सबसे निपट सकेंगे। अनेकों कर्तव्य और जिम्मेदारियों से घुटन महसूस होगी पर समय के साथ सब ठीक हो जायेगा।

14-3-2021 >>>> 14-4-2021

गोचर राशि : मीन

सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 30

जन्मराशि से सातवें स्थान से सूर्य का भ्रमण दूसरों के प्रति विचारों का द्योतक होता है, आप इस दौरान हमेशा दूसरों के बारे में सोचते रहेंगे। सातवां भाव व्यक्तिगत और सामजिक जीवन से जुड़े लोगों को दर्शाता है, इसलिए आपका जीवन इन संबंधों से जुड़ा रहेगा। हालांकि सूर्य का सातवें भाव से संचार बहुत शुभ और अच्छा नहीं समझा जाता इसलिए आपको सावधान रहना होगा। खुली किताब के भांति ना रहें, एकदम से अपने भेद प्रकट ना करें, अन्यथा यह स्वाभाव परेशानी का कारण बन सकता है। कुछ हद तक गोपनीय रहना कोई बुरी बात नहीं होती, इससे आपका आत्मविश्वास बना रहेगा। सौर गोचर आपको तथ्यपूर्ण और वास्तविक बनता है, इसीलिए किसी से भी बहुत अधिक अपेक्षाएं रखना हितकर नहीं होता। इससे आपको ही निराशा और ग्लानी होगी। आहार का उचित ध्यान रखें अन्यथा पेटदर्द आदि की इस संचार में संभावना होती है। अति विचार ना करे, बेहतर होगा की आत्मीयजनों से सलाह लेते रहें, अपनी योजनाओं पर विचार विमर्श करते रहें। इस संचार के समाप्त होते होते आप अधिक समाधान और स्थिरता अनुभव करेंगे।

14-4-2021 >>>> 14-5-2021

गोचर राशि : मेष

सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 25

जन्म राशि से आठवें घर से सूर्य भ्रमण में कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। आप अपने पक्ष में जो कहते हैं, वह तथ्यपूर्ण हो सकता है, लेकिन इस बात की बहुत संभावना है कि आपको गलत समझा जाए । इसलिए, आप जो भी कहते हैं उसका वैसा असर नहीं होगा जैसा आप चाहते हैं। सबसे अधिक लाभ उनका हो सकता है जो आपके शुभचिन्तक नहीं हैं, और दिल में आपका हित नहीं चाहते । ऐसे लोगों से फ़िलहाल दूर रहें। यदि आप मामलों को ठीक तरह नहीं रख पाए तो आपके साथी के साथ भी कलह होना स्वाभाविक है। घर पर वयस्कों के साथ समझदारी से पेश आयें, अन्यथा अपमानित होना पड़ सकता है। इसलिए आपको अहंकार को एक तरफ रखकर वार्तालाप करना चाहिए और विवाद को समय पर छोड़ कर समय के जादू का असर देखना चाहिए । इस बीच, एक स्वस्थ दिनचर्या बनाए रखना मुश्किल लग सकता है । लेकिन अगर आप ऐसा नहीं करते हैं, तो आप सिर दर्द, अपच, आंखों की परेशानी जैसी बहुत सारी समस्याओं का शिकार हो सकते हैं, वित्तीय स्थिति भी प्रभावित होगी।बाहर का वातावरण खराब हो तो घर में ही रहना सही विकल्प होगा । सुनिश्चित करें कि आपके सभी दस्तावेज व्यवस्थित संगठित और क्रम बद्ध है, नियमों का पालन करें। इससे आप सरकारी दंडात्मक करवाई से दूर रहेंगे। अप्रत्याशित खर्च अपरिहार्य हैं पर अपनी वितत्तीय व्यवस्था को नियंत्रित रखने में हालात सुधर सकते हैं। परिस्थितियों के कारण आपको भावनात्मक आघात से गुजरना पड़ सकता है। आपको ऐसा लगेगा की जैसे आप नहीं जानते कि क्या करना क्या नहीं करना है या क्या सोचना है । आपको अपनी योजनाओं पर रोक लगानी चाहिए और फैसले लेने को टाल देना चाहिए। इस स्थित से उबरने के लिए किसी आध्यात्मिक और धार्मिक गतिविधि में व्यस्त होकर आप शांती का अनुभव कर पायेंगे।

14-5-2021 >>>> 15-6-2021

गोचर राशि : वृषभ

सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 23

जन्म कुंडली में चंद्रमा से नौवें घर में गोचर करने वाला सूर्य, आपकी साहसिक भावना का प्रतीक है। परिस्थितियां ऐसी पैदा हो सकती हैं कि आपको अपने पिता, भाई-बहन और अन्य बड़ों के विरोध का सामना करना पड़ सकता है। मामले हाथ से बाहर जा सकते हैं, अपमान और मानहानि तथा झूठे आरोपों के लगाने की संभावना है। शांति लाने का एक ही तरीका है कि आप अपने अहंकार और जिद को एक तरफ रखें और स्थिति का विश्लेषण करें। अपनी या इनकी गलतियों का निष्पक्ष विचार करें। अगर आप गलत हैं तो नम्रता से स्वीकार करें । यदि आप सही हैं तो अपनी बात पर अडिग रहें और समय को बीतने दें। परिस्थितियाँ अपने आप सुलझ जाएँगी। यही भूमिका अपने व्यावसायिक जीवन के प्रति भी रखें । उन चीजों के बारे में स्पष्टता रखें जो आप करना चाहते हैं। झूठे गर्व को पनाह देने से ही और अधिक समस्याएं पैदा होंगी । अपने आप को सुझावों के लिए खुला रहें। अन्यथा आपका व्यक्तित्व गलत कारणों के कारण उच्चवर्गीय लोगों में कलुषित हो सकता है। आपकी वित्तीयस्थिति में गिरावट आ सकती है। विभिन्न परियोजनाओं में प्रयास सफल नहीं होंगे । आपको ऐसा लगतगा जैसे कुछ करने का जोश आपके भीतर से से समाप्त हो गया हो। बस अपने मन और आत्मा को निराश ना होने दें। इसे समय दीजिए। असफलताएं सफलता का संकेत होती हैं । इसलिए अपनी गलतियों से सीखें और आगे बढ़ते रहें। परमात्मा की शक्ति पर भरोसा करें। बिना किसी संदेह के अपने भीतर के द्वार खोलें। पवित्र धार्मिक स्थलों पर जाकर आपको शांति मिलेगी।

15-6-2021 >>>> 16-7-2021

गोचर राशि : मिथुन

सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 30

दशम स्थान से हो रहा सूर्य का यह वार्षिक प्रयाण आपके स्वाभिमान, आत्मविश्वास आदि को बढ़ाकर आपके ही नुकसान का कारण बनेगा। यदि आप विवेक और धैर्य से काम लेंगे तो अपनी इस उर्जा का उपयोग उत्पादनशीलता के विकास में कर पाएंगे, जिससे आपकी सामजिक प्रतिष्ठा और कामकाज सकारात्मक तरीके से प्रभावित होंगे। आपको अधिकारीवर्ग और प्रभावशाली लोगों से मिलने के अनेकों अवसर मिलेंगे जो आपकी प्रगति में अवश्य ही सहायक सिद्ध होंगे पर आपको भी अपनी तरफ से इस दिशा में प्रयास करना होगा। सूर्य पुण्य, और वास्तविकता का ग्रह है इसलिए आपको अच्छे कर्मों के माध्यम से उंचाई पर पहुँचने का प्रयत्न करना होगा अन्यथा आप प्रगति पथ पर पीछे छुट जाएंगे और निराशा होगी। यह संचार अशुभ तो नहीं है पर इसमें कुछ चुनौतियां होंगी इसमें कोई संदेह नहीं है। आपको अपने उच्चाधिकारियों और व्यवस्थापकों के प्रति बहुत ही विनम्र भाव बनाएं रखना होगा। कुछ दान धर्म जैसे कार्य भी इस संचार के दौरान होंगे।

16-7-2021 >>>> 17-8-2021

गोचर राशि : कर्क

सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 32

जन्म राशि से ग्यारहवें भाव से सूर्य के भ्रमण के दौरान, आप अपनी आशाओं और इच्छाओं पर अधिक ध्यान केंद्रित करेंगे, आप अपनी इच्छाओं को पूरा करने की दिशा में हर संभव प्रयास करेंगे। ग्यारहवां भाव तीव्र और आतंरिक इच्छाओं का सूचक है, और ब्रह्मांड आपको दिखाएगा कि आप क्या कुछ हासिल कर सकते हैं, आपके लिए, यह भ्रमण आपको साधारण परिणाम ही देने वाला है, इसलिए अति भव्य दिव्य की अपेक्षा आपको नहीं करनी चाहिए। आपको अपनी संपत्ति को लेकर बहुत सावधान रहना होगा। अपने कामकाज को बेहतर बनाने के कई अवसर मिलेंगे, इसलिए आपको इस भ्रमण का योग्य उपयोग करना चाहिए, कृपया खुद अकेले कोई निर्णय न लें क्योंकि वे गलत साबित हो सकते हैं, आपको जल्दबाजी में नए समूहों और मित्रता में नहीं पड़ना चाहिए क्योंकि वे आपके अहित में हो सकते है। हालांकि, संघ या समूह के व्यवहार को लेकर प्रारंभिक परेशानियां होंगी, लेकिन अंततः सब ठीक हो जाएगा। इस भ्रमण के मध्य के बाद वित्तीय लाभ देखे जा सकते हैं।

17-8-2021 >>>> 17-9-2021

गोचर राशि : सिंह

सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 19

सूर्य के द्वादश स्थान से भ्रमण काल में आपको बहुत अधिक सावधानी बरतने पर जोर दिया जाता है। अगर आप नौकरी की खोज में हैं तो इस समय को निकल जाने दें। अगर नौकरी कर रहे हैं तो अपनी वर्तमान स्थिति में संतुष्ट और अपन पद पर स्थिर रहें। अभी किसी तरह की जोखिम लेने का समय नहीं है। किसी अच्छे पद के लिए प्रयास बाद में भी किया जा सकता है। इस दौरान आप चर्म रोग, एलर्जी या खाज खुजली से ग्रस्त हो सकते हैं। आपको आँखों और उदर आदि का भी परिक्षण करवाते रहना चाहिए। पैरों को भी चोट अदि लगने की संभावना हो सकती है। बारहवां स्थान बायीं आँख और शरीर के बाएं भाग का अधिपति होता है इसलिए इनपर विशेष रूप से ध्यान दें और तुरंत डॉक्टर की सलाह लें। विदेशी स्थानों से संपर्क बन सकते है। वहां से जुड़ी किसी भी स्थावर संपत्ति या ऐसे किसी लेनदेन से फिलहाल दूर रहें इस दिशा में कुछ अडचने आ सकती हैं, तदर्थ कानूनी मामलों में सावाधानी बरतें। छोटी छोटी ऐसी अनेक अडचनों के जमावड़े के कारण आप अपना आपा खो सकते हैं। आप स्वयं ही दूसरों को हानिकारक ऐसे अनैतिक काम में फंस सकते हैं। अपने विश्वसनीय लोगों से मदत लें। कभी कभी केवल आपकी बात को सुनने वाला से कुछ देर का वार्तालाप आधी तकलीफे और सवाल दूर कर देता है और अच्छे नतीजे पर ले जा सकता है। यदि आप किसी सरकारी विवाद में फंस जाएं तो प्रयास करें की इस संचार के समाप्त होने तक मामला स्थगित हो और कोई निर्णय ना निकलने पाए। व्ययाधिक्य और आर्थिक अडचनों की संभावना है। अपने वित्तीय मामलों पर अंकुश रख कर आप इन मुसीबतों से काफी हद तक बच सकेंगे।

17-9-2021 >>>> 17-10-2021

गोचर राशि : कन्या

सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 34

सूर्य का उस राशि से संचार हो रहा है जिसमे आपके जन्म के समय चन्द्र स्तिथ था, अर्थात आपकी जन्मकुंडली की चन्द्र राशि से सूर्य का इस संचार का अर्थ आप एक एकाकी योद्धा होंगे जिसे अपनी लड़ाई स्वयं लड़नी है। आपको अपनि अंतरात्मा से किसी प्रकार का अध्यात्मिक संकेत या आह्वान मिलेगा पर आप इसे समझ नहीं पाएंगे। इस समय आपको बस गाड़ी पर सवार होकर राहें जहां ले जाएं वहां चल पड़ना चाहिए यदि आप लंबे समय से ऐसे किसी सफ़र के बारे में सोच रहे हो तो आपको जरुर जाना चाहिए। कोई भी कारण विहीन उपापोह आपके आहार और अन्य बातो को प्रभावित करेगा। अगर आप विवाहित या सहधर्म में हैं तो आपका साथी आपको इस बार अच्छी तरह समझ नहीं पायेगा। इसलिए इस समय उनसे थोड़ी दुरी बनाये रखना ठीक रहेगा। आप अपने सामाजिक दायित्वों की उपेक्षा कर सकते हैं। यदि आप आहत नहीं होना चाहते तो अपने विचारों को अपने नजदीकी या मित्र किसी पर भी प्रकट ना होने दें, कोई बात किसी से साझा न करें। आपके इरादे कितने भी उचित और उच्च हो, इस समय लोग इन्हें गलत समझकर आपका नाम ख़राब कर सकते हैं। आपका आहार और खान पान का समय उपेक्षित होकर पेट की ऐसी अन्य समस्याएं होने की संभावनाएं नकारी नहीं जा सकती। अपनी आँखों पर बहुत अधिक तनाव ना आने दें। यदि परिवार में कोई अनुवांशिक बीमारी है तो आपको अपनी सेहत का समय समय पर मुआइना करवाते रहें। सरदर्द और दुस्वप्न आपकी नींद पर असर कर सकते हैं। उचित आराम करें, और ऐसी कोई भी बात टालें जिससे शरीर में अम्लपित्त का प्रकोप हो।

17-10-2021 >>>> 16-11-2021

गोचर राशि : तुला

सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 35

सूर्य के जन्म राशि से द्वितीय स्थान से संचार में आपकी योग्यताओं के कारण आपके विरोधी आप पर आघात करने का प्रयास करेंगे। ऐसे लोगों से सावधान रहें जो मित्र बनकर आपके संबंध बनाते हों, पर उनके मन में कुटिलता भरी हो सकती है, उनसे सावधान रहें। ऐसे चापलूसी से बचकर रहें और उनके सामने आपके मन में क्या चल रहा है यह बिलकुल भी ना बताएं। ईमानदारी, नैतिकता और सच्चाई आपको सिर्फ पीड़ा दे सकती है। आपको कुछ समय के लिए अपने नैतिक मूल्य एक तरफ रखने होंगे। राजनीती के क्षेत्र में कार्यरत जातकों को अतिरिक्त तनाव का सामना करना पड़ सकता है। अपने उद्देशों के लिए खर्च करने को तैयार रहें। दीर्घकालीन लाभ के लिए कुछ अल्पकालीन नुकसान सहन करने पड़ेंगे और त्याग भी करना पड़ सकता है। अगर ऐसा महसूस हो की आर्थिक कठिनाइयां आपके विकास और ध्येय के मार्ग में आ रही हैं तो किसी भी प्रकार की जालसाजी से सावधान रहें और ऐसी किसी भी संदिग्धपूर्ण योजना से बच कर रहें। आपका खुद पर विश्वास आपको सीधा साधा और सरल सोचने पर बाध्य करता है, आर्थिक मामलों में अपने स्वाभाव के कारण सावधान रहें। किसी भी व्यक्ति या लोगों के प्रति अपनी नापसंदगी प्रकट करने में कोई हानि नहीं है, हो सकता है इससे आपके मित्र अधिक नहीं होंगे पर आपने धोखा खाने की संभावना भी इससे कम हो जाती हैं। आँखों की समस्या आपके कार्यों में बाधा आ सकती है पर उचित सेख्भाल से समस्या सुलझ जाएंगी और आप शीघ्र ही इस से पार पा लेंगे क्योंकि आप सदा एक योद्धा की तरह अपनी लड़ाई में डटे रहते हैं। यही कारण हैं की आपका मानसिक तनाव सरदर्द के रूप में उभर सकता है।

16-11-2021 >>>> 16-12-2021

गोचर राशि : वृश्चिक

सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 28

आपकी जन्मराशि के तीसरे स्थान से सूर्य के भ्रमण के दौरान आप अत्यंत साहस का प्रदर्शन करेंगे। कुंडली का तृतीय भाव पराक्रम, साहस और परिश्रम का द्योतक है। आप अपने उपक्रमों को काफी समय दे सकेंगे जिससे जीवन में उन्नति और सुधार होगा, पर इसके लिए कुछ समय लग सकता है। प्रयास बहुत तनावपूर्ण हो सकते हैं पर आप इन चुनौतियों और कठिनाइयों से उबर जाएंगे। जैसे जैसे यह संचार समाप्ति के निकट पहुंचेगा आपकी कठिनाइयाँ अपने आप कम होती जाएंगी। कुछ छोटी मोटी यात्राएं करनी पड़ सकती हैं जो यथासमय प्रयत्नों के बाद फलप्रद होंगी। नयी चीजें सीखने और ज्ञान को बांटने या साझा करने का अच्छा समय है। कुछ प्रसार माध्यम और प्रशिक्षण सम्बन्धी उपक्रम सामने आ सकते हैं। आप दान धर्म और परोपकार में रूचि लेंगे। एसा करके आप दैवी शुभ फलों को प्राप्त कर सकेंगे और प्रसन्नता का भी अनुभव होगा। आप और आपका परिवार धीरे धीरे इन आर्थिक परेशानियों से बाहर आ जाएंगे।

16-12-2021 >>>> 14-1-2022

गोचर राशि : धनु

सर्वाष्टकवर्ग बिंदु : 29

आपकी जन्मराशि से परिवार और घर गृहस्थी के कारक चतुर्थ भाव से सूर्य का संक्रमण पारिवारिक जीवन को प्रभावित करता है, आप अपने पारिवारिक जीवन के प्रति अधिक सजग होंगे। आपको अपने बुजुर्गों और बड़ों की सहायता करनी होगी। उनको कई कठिनाइयाँ हो सकती हैं और एक विकसित वयस्क व्यक्ति होने के नाते आपको उन पर ध्यान देना होगा। परिवार के बुजुर्ग पुरुष सदस्यों को बहुत सी परेशानियां हो सकते है, उनकी बढ़ी हुई जिम्मेदरियों से वे परेशान हो सकते हैं इस समय उन्हें सहयोग कर आप अपनी जिम्मेदारियां निबाह सकते हैं। घर में कुछ सुधार और विस्तार की गतिविधियाँ मूर्त रूप ले सकती हैं। घर के कुछ सदस्यों को स्वास्थ्य सम्बन्धी परेशानियां हो सकती हैं, पर जैसे जैसे यह संचार समाप्ति की और बढ़ेगा आपकी समस्याएं अपने आप लुप्त होतो जाएंगी। इस गोचर में घरेलु जीवन कुछ अस्थिर हो सकता है पर कोई भी अप्रिय बात कह कर स्थिति को ना बिगाड़ें।

Note:

This report is based on the data provided by you and the best possible research support we have received so far. We do not assume any responsibility for the accuracy or the effect of any decision that may be taken on the basis of this report.

With best wishes : Astro-Vision Futuretech Pvt.Ltd.
First Floor, White Tower, Kuthappadi Road, Thammanam P.O - 682032

Phone:
+91(India) 6366920680

E-mail:support@clickastro.com

clickastro
#FuturePositive

YearGuide 3.0.4.6 Server Edition